आगे चलकर देखना.....
(भविष्यवाणियां)

आगे चलकर... गली-गली में तुम्हारे सेन्टर हो जायेंगे।

आगे चलकर...तुम्हारे पास ढेर के ढेर आयेंगे।

आगे चलकर... कैसे मौत का बाजार गर्म होता है।

आगे चलकर... कौन-कौन क्या बनेंगे साक्षात्कार करते रहेंगे।

आगे चलकर... बड़े-बड़े सन्यासी भी तुम्हारे चरणों पर गिरेंगे।

आगे चलकर...कैसे आबूरोड से यहाँ तक क्यू लगती है।

आगे चलकर... कैसे सब पुरुषार्थ करने में लग जायेंगे।

आगे चलकर... कैसे लोग भूख मरते हैं।

आगे चलकर... तुम्हारा नाम कितना बाला होता है।

आगे चलकर... कैसे-कैसे बीमारियां आती है।

आगे चलकर... मधुबन एक लाइट हाउस हो जायेगा।

आगे चलकर... कैसे बैठे-बैठे बॉम्बस छोड़ते रहेंगे।

आगे चलकर... कैसे यह साइंस तुम्हारी मददगार बनती है।

आगे चलकर... कैसे प्रकृति अपना विकराल रूप से वार करती है।

आगे चलकर... कैसे तुमको राजाई मिलती है।

आगे चलकर... सब समझ जायेंगे कि भगवान आया हुआ है।

आगे चलकर... कैसे नये-नये पत्ते निकलेंगे, पुराने पत्ते झड़ेंगे।

आगे चलकर... कैसे महारथी भी माया से हार खा लेते हैं।

आगे चलकर... नया झाड़ नज़दीक दिखाई पड़ेगा।

आगे चलकर... बाबा तुमको साक्षात्कार द्वारा बहुत बहलायेंगे।

आगे चलकर... सब समझ जायेंगे कि यह वही महाभारत युद्ध है।

आगे चलकर... तुमको ज्यादा समझाना नहीं पड़ेगा, इशारे से ही समझ जायेंगे।

आगे चलकर... कैसे भारत से लिया हुआ फिर रिटर्न करते हैं।

आगे चलकर... कैसे नाहेक एक दूसरे का खून करते हैं।

आगे चलकर... तुमको कोई परवाह नहीं होगी, स्थेरियम हो जायेंगे।

आगे चलकर... बाप की यह पढ़ाई और पालना तुमको कितनी याद आयेगी।

आगे चलकर... कैसे सब आत्मायें मच्छरों सदृश्य बाप के पिछाडी भागती हैं।

आगे चलकर... नम्बरवार सब कर्मातीत बनते जायेंगे।

आगे चलकर... सब तुम्हारी बातें मानने लग जायेंगे।

आगे चलकर... आगे चलकर कोई भी साइंस के साधन काम में नहीं आयेंगे। ओम् शान्ति